MR, CHAIRMAN: Please. *(Interruptions)* ... If you are quieter, there is a greater chance.

MR. CHAIRMAN: Let the Minister answer.

योजना है . . . (व्यवधान) सर, जो नर्मदा वैली योजना है . . . (व्यवधान)

श्री कमल नाथ : सर, जो नर्मदा वैली योजना है वह केवल एक डैम की नहीं है एक सरदार सरोवर की नहीं है नर्मदा वली योजना पूरी रिवर वैली के लिये है . . (व्यवधान)

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : नेशनल प्रोजेक्ट है। . . . (व्यवधान)

SHRI KAMAL MORARKA: Sir, what is this, The Member s not allowing the Minister to answer.

श्री कमल नाथ : सर, इसमें जहां तक माननीय सदस्य की चिंता है कि जो भी . . . (व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY: Sir, Shri Kamal Morairka is supporting Shri Kamal Nath.

MR. CHAIRMAN: We'are all polluting the environment of the House. Please allow the Minister to answer

श्री कमल नाथ : सर, जहां तक माननीय सदस्य की चिंता है और जो उन्होंने व्यक्त की है जो भी शर्तें थीं सरदार सरोवर की केवल गुजरात में ही उनके लागू होने का प्रश्न नहीं है। ये जो शर्तें हैं ये महाराष्ट्र में भी है। सरदार सरोवर में जो क्षेत्र डूब जायेगा वह मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी है। इसके साथ-साथ जो पूरी योजना है सरदार सरोवर के साथ नर्मदा सागर की और कई अन्य बांध बनने हैं, तो इस पूरी योजना के लिये शर्तें बनाई गई हैं। इतना काफी नहीं कि केवल गुजरात राज्य अपनी शर्तें पूरी करले और उससे मध्य प्रदेश या महाराष्ट्र में जो असर हो रहा है वे शर्तें न पूरी की जायें, मैं कोई आरोप गुजरात सरकार पर नहीं लगा रहा हूं, जहां तक गुजरात का प्रश्न है, गुजरात ने अपनी शर्तें पूरी की हैं। यह बात मैं नहीं कही कि गुजरात ने पूरी नहीं की है, मैंने कहा कि इस योजना से जो जुड़ी हुई शर्तें हैं, चाहे वे महाराष्ट्र में लागू हों या मध्य प्रदेश में लागू हों उनको भी साथ-साथ पूरा करने की आवश्यकता है। क्योंकि अगर क्षेत्र डूब जायेगा तो उसके बाद जो शर्तें हैं वे पूरी नहीं की जा सकेंगी और उसका तब कोई उपाय नहीं बचेगा . . . (व्यवधान)

श्री चिमनभाई मेहता : आपने कहा कि हाइट कम कर दीजिये, एक एनवायरमेंट मिनिस्टर होने के नाते से . . . (व्यवधान)

SHRI KAMAL NATH: If they give me a chance, and if they want to hear me, I would certainly answer that question also. *(Interruptions)* I have no problem. If they are referring to a statement which I made about the Narmada Dam which is in Madhya Pradesh, it was not related to the Sardar Sarovar... *(Interruptions)* .

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: Sir, many States are involved in this question. *(Interruptions)* .

SHRI KAMAL NATH: I certainly don't want to make any compromise. We will not make any compromise in the water and power requirements of Gujarat. I want to make it very clear.

MR. CHAIRMAN: Q (No. 245.

Preventing of Cruelty to Animals

*245. SHRI RAJNI RANJAN SAHU:†
SHRI SUSHIL.KUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether- Government's atten tion has been drawn to the report

†The question was asked on the floor of the House by Shri Rajni Ranjan Sahu.

published in the Indian Express of 10th January, 1994 under captioned "Haathi no more a Saathi for Bollywood"; and

(b) if so, what steps have been taken and are being taken to prevent the type of cruelty to animals as described therein to make the animals play attractive roles in the feature-films produced *by* Bollywood?

THE MINISTER OF STATE OP THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND' FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) Yes, Sir.

(b) Animal Welfare Board of India have advised the Central Board of Film Certification to confirm that the guidelines for use of animals in shooting of films have been strictly followed while certifying the films for public exhibition. The Ministry of Information & Broadcasting have also been advised to issue necessary directions to the Board and to the Film Associations.

श्री रजनी रंजन साहू : महोदय, हाथी मेरे साथी का कंसैप्ट धीरे-धीरे बदलता जा रहा है। पर्यावरण मंत्रालय की अस्थिरता एवं अकर्मण्यता से भारतीय जीवजन्तु कल्याण बोर्ड जिसका उन्होंने हवाला दिया है उसके निर्देश की अनदेखी की जा रही है और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को सलाह देने की बात जैसा कि उत्तर में कहा गया है सूचना और प्रसारण मंत्रालय के बारे में कहा जाता है कि मंत्रालय डी फगर डंप है सिर्फ (इयर) है, वह भी इयर कर्मशियल हो गया है दे कमिट होरीफाइड, क्रुएल्टीज, तो मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या अपने कानून को सुधार जीव-जन्तु की जान की सुरक्षा करेंगे और कभी-कभी देखा गया है कि फिल्मों में इस्तेमाल किए जाने वाले शेर जैसे जानवर का नाक, कान काट लोगों को तमाशा दिखाते हैं। तो क्या इसे रोक कर मंत्री महोदय विश्व में भारत की नाक बचाएंगे?

श्री कमल नाथ : सर, मैं यह नहीं समझता कि विश्व में भारत की नाक बचाने की आवश्यकता है। हमारी नाक इस विषय में बात ऊंची है।

सर, कानून में परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। दो साल पहले वर्ल्ड लाइफ प्रोटेक्शन अमेंडमेंट बिल इस सदन ने पास किया था और इससे जो शक्ति आनी थी, वह शक्ति आयी है। जहां तक फिल्मों में जानवरों के प्रदर्शन का प्रश्न है, इसके लिए गाइडलाईंस हैं और इन्हें मैं माननीय सदस्य को भी भेज दूंगा। सर, मैंने खुद के. पी. सिंहदेव जी को, जोकि इनफॉर्मेशन एंड ब्राडकॉस्टिंग मिनिस्टर हैं, इसकी सूचना दी है ताकि वह भी इस संबंध में ऐसे नियम बनाएं और इस प्रकार की जिस घटना की ओर माननीय सदस्य ने ध्यान आकर्षित किया है, वह न हो।

श्री रजनी रंजन साहू : धन्यवाद। मान्यवर, स्वास्थ्य मंत्री जी भी यहां बैठे हैं और मैं एक बात उनके ध्यान में भी लाना चाहूंगा कि स्वास्थ्य विभाग की अनुमति से या बिना अनुमति से नई दवाइयों का एक्सपेरीमेंट जानवरों पर होता है जिससे प्रतिवर्ष हजारों-हजार जीव-जन्तुओं की जानें जाती हैं। मान्यवर, यह समझा जा सकता है कि लाइफ सेविंग ड्रग्स के लिए जीव-जन्तुओं पर एक्सपेरीमेंट की परंपरा चली आ रही है और अब तो कॉस्मेटिक्स के लिए भी जीव-जन्तुओं पर एक्सपेरीमेंट किया जाता है और उनकी जान ली जाती है। तो क्या मंत्री महोदय, जानना चाहता हूं कि इस कानून को व्यापक बनाएंगे और इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री से, जोकि बगल में बैठे हैं, बात करेंगे और जो जीव-जन्तु पर जो एक्सपेरीमेंट्स हो रहा है, उससे जो मारे जाते हैं, उसकी रोकथाम करेंगे?

श्री कमल नाथ: सर, इसके लिए नियम और कानून मौजूद हैं और अभी

तक इस नियम और कानून को ज्यादा सख्त करने की आवश्यकता नहीं पड़ी है। अगर ऐसा कुछ हो रहा है स्वास्थ्य मंत्रालय में जो कि कानून के खिलाफ है या नियम के बाहर है तो मैं अवश्य की इस संबंध में अपने साथी से चर्चा करूंगा।

श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिंदे : मान्यवर, सम्माननीय मंत्री महोदय ने बताया कि ब्रॉडकास्टिंग मिनिस्ट्री ने कोई कानून बनाया है, लेकिन जब फिल्म बनती है, वह चाहे "हाथी मेरे साथी" हो या और कोई सर्कस की फिल्म हो, तो उसमें एक्चुअल एनीमल का कान हो या उसका पैर हो, वह काटते हैं या खाली ट्रिक कर के फिल्म में बताते हैं, इस संबंध में मंत्री जी को जानकारी है क्या? दूसरी बात मैं यह पूछना चाहूंगा कि पूर्व एनवायरनमेंट मिनिस्टर श्रीमती मेनका गांधी जी ने ब्राडकॉस्टिंग मिनिस्टर को एक चिट्ठी लिखी थी कि यह-यह कानून में सुधार होने चाहिए और उस चिट्ठी का भी अंतर्भाव क्या यह जो नया कानून बनाया है, उसमें लिया गया है?

श्री कमल नाथ : सर, जिन जानवरों को फिल्मों में दिखाया जाएगा, उसकी गाइडलाइंस बनी हुई हैं और यह आई. एंड बी. मिनिस्ट्री को भेजी गयी थीं। सर, यह किसी ट्रिक फोटोग्राफी से कर लेते हैं, इसको मुझे जानकारी नहीं है क्योंकि इस विषय में मेरी भी कोई एक्सपर्टीज नहीं हैं कि फिल्म कैसे ली जाती हैं, लेकिन अगर ऐसी कोई बात माननीय सदस्य के ध्यान में है कि जहां ट्रिक फोटोग्राफी से फिल्म ली जाती है या कानून का उल्लंघन हो रहा है तो, वह मेरी जानकारी में जरूर लाएं। सर, जहां तक यह इश्यू था, यहां हमने एक टीम भेजी थी...(व्यवधान)...

श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिंदे : मान्यवर, अगर यह ज्वाइंट फोटोग्राफी से ली जाती है, तब तो उल्टे यह अच्छा है क्योंकि उसमें जानवरों को नुकसान नहीं होता है। मैं तो यह कह रहा हूं।

श्री कमल नाथ : सर, माननीय सदस्य की यह बात सही है और ऐसा हो सकता है, पर उसकी जो गाइडलाइंस हैं, वह बहुत इलोबोरेट हैं। वह मैं माननीय सदस्य को भेज दूंगा और उनका इस बारे में कोई सुझाव हो तो वह मुझे अवश्य दें।

श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिंदे : सर, मेनका गांधी जी ने जो चिट्ठी लिखी थी और उन्होंने जो सुझाव दिए थे, क्या उनको भी इन गाइडलाइंस में स्वीकार कर लिया गया है या नहीं?

श्री कमल नाथ : सर, स्वीकार करने या नहीं करने का प्रश्न नहीं है। यह तो कानून है, कानून के अंतर्गत नोटिफिकेशन है, रूल्स बनाए गए हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी आई. एंड बी. मिनिस्ट्री कोई गैर-कानूनी या नियम के बाहर काम नहीं कर रही है।

MB, CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

World Bank's offer to Control Blindness

*242. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has 'been darwn to a news item published in the Hindustan Times dated 30.1.94 captioned "Union Health Minister turns blind eye" by nearly blowing off the reported offer of the World Bank of Rs. .554 crores for blindness control project which aimed at controlling blindness due to Cataract in 81 per cent cases in